



● नई दिल्ली। रविवार 20 अप्रैल-2025

● वर्ष: 10 अंक: 120 पेज-08

● RNI NO. DELHIN/2015/65364

● मूल्य: ₹3

मुस्तफाबाद में चार मंजिला इमारत गिरी, 11 की मौत

निर्माण की खराब सामग्री और अवैध निर्माण के कारण हुआ हादसा



नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद स्थित दयालपुर इलाके में देर रात चार मंजिला इमारत गिरने के मामले में दिल्ली पुलिस की तरफ से बड़ा अपडेट दिया गया है। पुलिस के मुताबिक हादसे के दौरान बिल्डिंग में कुल 22 लोग फंस गए थे, जिनमें से 11 ने अपनी जान गंवा दी। अन्य लोगों को बचा लिया गया है। घायलों में से चार लोगों का इलाज फिलहाल चल रहा है। अन्य सभी को छुट्टी दे दी गई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक मुस्तफाबाद के दयालपुर में बिल्डिंग हादसे में 22 लोगों के होने की जानकारी मिली थी। सभी को मलबे से निकाल लिया गया है।

कब-कैसे हुआ हादसा? : यह हादसा शुक्रवार देर रात करीब 2:50 बजे हुई। दमकल विभाग को मामले की सूचना दी गई, जिसके तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। शनिवार दोपहर तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा।

स्थानीय पुलिस, दमकल कर्मी और बचाव दल मौके पर पहुंचे। बिल्डिंग गिरने के बाद एनडीआरएफ को भी मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया है, ताकि बिल्डिंग के अंदर फंसे हुए लोगों को निकाला जा सके।

क्यों गिरी इमारत? : मुस्तफाबाद में इस चार मंजिला इमारत के ढहने की सही-सही वजह अबतक औपचारिक तौर पर नहीं बताई गई है। प्रारंभिक जांच में कई कारण सामने आए हैं। सीसीटीवी फुटेज में इमारत गिरने के बाद चिंगारी और धूल का गुबार साफ देखा जा सकता है। माना जा रहा है कि निर्माण की खराब सामग्री के कारण यह हादसा हुआ। अवैध निर्माण को भी इसके पीछे की वजह समझा जा रहा है। शुक्रवार शाम से ही तेज हवाएं चल रही थी और बारिश भी हुई। सभी कारणों को इमारत गिरने के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।

इसलिए है गाजियाबाद वालों का राजनाथ सिंह से अलग ही आत्मीय नाता

जब भोजन की आवाज लगाकर बुलाया सांसद अतुल गर्ग को और बिठाकर की जनप्रतिनिधियों से बात



गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनाथ सिंह लखनऊ से सांसद हैं और केन्द्रीय रक्षामंत्री हैं। उनके बेटे पंकज सिंह नोएडा से विधायक हैं। लेकिन इस परिवार का गाजियाबाद से एक अलग ही नाता है। राजनाथ सिंह का ये अंदाज गाजियाबाद वालों को भाता है और जब राजनाथ सिंह एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए गाजियाबाद आये तो यहां उन्होंने अपने इसी अंदाज से सभी जनप्रतिनिधियों का मन मोह लिया। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से लेकर मेयर सुनीता दयाल, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और



विधायक संजीव शर्मा भी यहां दिखाई दिये। बताया जाता है कि जब केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के गाजियाबाद आने का कार्यक्रम था तो भले ही यह निजी पारिवारिक कार्यक्रम था लेकिन सूत्र बताते हैं कि दिल्ली से पहला फोन लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के पास आया। उन्हें बताया गया कि माननीय जी आ रहे हैं, आप मुलाकात करें। बताया जाता है कि यहां पर सांसद अतुल गर्ग ने बताया कि उनके पास निमंत्रण नहीं है लेकिन ये ऐसा निर्देश था जो अतुल गर्ग इंकार नहीं कर सके। फिर तय हुआ कि

विवाह समारोह में नहीं जायेंगे और बाहर गेट पर ही मुलाकात करेंगे। तय समय पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आये और इसी बीच अन्य जनप्रतिनिधि दूसरी टेबल पर बैठ गये।

तभी ये व्यवस्था बनी कि राजनाथ सिंह इसी टेबल पर भोजन करेंगे। विवाह समारोह वाले लोग व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। तभी राजनाथ सिंह आये और फिर मुलाहिजा हो गया कि गाजियाबाद क्यों राजनाथ सिंह से प्यार करता है। उन्होंने रूक कर सांसद अतुल गर्ग को आवाज लगाई और अपने

साथ बिठाया और फिर सभी जनप्रतिनिधियों को अपने पास बुलाया और सभी अपनी अपनी बात कहते रहे। अपनों को पहचानना और भीड़ के बीच से उन्हें पुकार कर बुला लेना ही ये बानगी है कि बड़े व्यक्तित्व हमेशा अपने पास बैठे व्यक्ति को अपने बड़े होने का एहसास कराते हैं, कभी उन्हें छोटा महसूस नहीं होने देते और ये भी सभी के मुंह से निकला कि इसलिए राजनाथ सिंह और उनका परिवार गाजियाबाद की भाजपा के दिल में बसता है। ये अपनापन सभी को छू गया।

क्यों लगा ठहाका जब सांसद ने कहा हम तो बेंड वाले हैं

करंट क्राइम। अतुल गर्ग लोकसभा सांसद हैं और उनका बात कहने का अंदाज हर माहौल को हल्का फुल्का कर देता है। वो अपने ही अंदाज में बात भी कह जाते हैं और पूरी स्थिति को भी स्पष्ट करते हैं।



देखने और सुनने वालों की जुबानी ये बात भी बाहर आई कि जब माननीय जी का आदेश और निमंत्रण वाले परिदेश का पेंच फंसा तो यहां अतुल गर्ग ने बीच का मंत्र दिया और कहा कि हम तो बेंड वाले हैं। हमें तो दूल्हे के आने पर बेंड बजाना है। निमंत्रण नहीं तो क्या हुआ हम गेट पर ही मिलेंगे। ये अतुल गर्ग का अपना अंदाज था और यहां पर दूसरा ठहाका तब लगा जब उन्होंने एक भाजपा नेता को सलाह दी कि देखो अगर तुमने कुछ भी खाया तो तुम्हें 2100 रुपये देने पड़ेंगे इसलिए मैंने तो कुछ खाया ही नहीं। अतुल गर्ग के इस अंदाज पर सबके चेहरों पर हंसी आ गई और अतुल गर्ग एक बार फिर माहौल को संजीदा करने में सफल रहे। माहौल में देर तक बेंड वाले और 2100 रुपये का हास्य परिहास वाला किस्सा गुंजा रहा।

स्मार्ट पाठकों का स्मार्ट अखबार

ई-पेपर की विशेषताएं

फोन की स्टोरेज पर नहीं पड़ेगा कोई असर



अखबार की पीडीएफ बनाने की सुविधा



कलेंडर से प्राप्त करें पुरानी तारीख का अखबार



खबर को सेव और क्रॉप करने का ऑप्शन



खबर को सोशल मीडिया पर शेयर करने की सुविधा



रोजाना सुबह सोशल मीडिया के प्रमुख प्लेटफॉर्म पर अखबार का लिंक हो रहा है फॉरवर्ड

जब एक क्लिक पर खुले आपका **करंट क्राइम अखबार** तो फिर एमबी का बोझ क्यों करे आपका स्मार्ट फोन स्वीकार

<https://epaper.currentcrime.com/view/106/current-crime>

भाजपा के केसरिया क्रान्तिकारी चेहरे बदल रहे हैं सेक्यूलर अंदाज कोई मंच से दे रहा है संदेश तो किसी ने बनाया है सोशल मीडिया को अपना बेस

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति अब टर्न ले रही है और राजनीति में अब अंदाज बदल रहे हैं। पहले कोई भी दल हो लेकिन भाषाशैली को धर्मनिरपेक्ष यानी सेक्यूलर रखा जाता था। बहुत अधिक धार्मिक विषय को लेकर बोलने से नेता बचते थे। लेकिन अब राजनीति का ये अंदाज बदल रहा है। खासकर भाजपा के नेताओं ने अपनी इस पहचान को बदला है। अब वो फायर ब्रांड हिंदुत्व नेता होना चाहते हैं। अब वो खुल कर अपनी विचारधारा के साथ हैं। गाजियाबाद की बात करें तो यहां भाजपा के कई चेहरे क्रान्तिकारी हिंदुत्व अंदाज में हैं। अब वो सेक्यूलर से ज्यादा हिंदुत्व के साथ पॉपुलर होना चाहते हैं। वो अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हिंदुत्व का संदेश देना चाहते हैं। गाजियाबाद के अगर क्रान्तिकारी चेहरों की बात करें तो यहां लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर पहले नंबर पर हैं। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा नई विचारधारा के नए अवतार में आ रहे हैं। पूर्व मेयर अशु मर्मा फेसबुक पर अपनी पोस्ट के जरिए संदेश दे रहे हैं।

कथाव्यास से लेकर विकास नहीं सुरक्षा की बात करते सुनील शर्मा करंट क्राइम। सुनील शर्मा कैबिनेट मंत्री हैं और भाजपा की राजनीति के पुराने खिलाड़ी हैं। वो तीसरी बार विधायक हैं और पहली बार सरकार में मंत्री रहे हैं। सुनील शर्मा अध्यात्म और धर्म के प्रति पहले से समर्पित हैं। लंबी पूजा पाठ उनकी रोजाना की दिनचर्या में शामिल हैं। सुनील शर्मा अब अपनी विचारधारा को राजनीतिक मंच पर ले आये हैं। वो सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं लेकिन कथाव्यास वाले मंच पर वो घंटो प्रभु भक्ति के प्रवचन देते हैं। अध्यात्म की बात करते हैं। अब वो और अधिक फायर ब्रांड हिंदुत्व की तरफ बढ़ रहे हैं और अब बीते दिनों बयान दिया कि विकास से ज्यादा जरूरी सुरक्षा है। ये सुरक्षा किससे है इसका पता उनकी बातों से चल रहा है। वो बांग्लादेश का उदाहरण दे रहे हैं वो भारत में कश्मीर का उदाहरण दे रहे हैं और कह रहे हैं कि विकास तो यहां भी हुआ था लेकिन सुरक्षा पर ध्यान दिया होता तो सीन कुछ और होता। सुनील शर्मा का यह अंदाज उन्हें हिंदुत्ववादी नेताओं की कतार में शुमार कर रहा है।

क्रान्तिकारी विधायक नन्द किशोर गुर्जर हिंदुत्व की राजनीति के बड़े चेहरे करंट क्राइम। विधायक नन्द किशोर गुर्जर अपनी विधायकी के पहले दिन से अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं। मांस की दुकानें हों या फिर अवैध रूप से रह रहे बंगलादेशी हों, विधायक की पॉलिसी इनको लेकर ज़ोरों टॉलरेंस है। लोनी में कथा यात्रा प्रकरण के बाद तो विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने सीधे सीधे मोर्चा खोला और बड़ी बात ये थी कि हिंदुत्व के इस चेहरे को भाजपा की इंटरनल लॉबी का पूरा सपोर्ट मिला। कुर्ता तो उन्होंने पहन लिया है लेकिन वो लोनी की राजनीति से आगे के चेहरे हो गये हैं। हिंदुत्व की बात करें तो उनकी टीआरपी वेस्ट यूपी में बढ़ गई है और वो यहां अपनी छवि को लेकर उदार होना भी नहीं चाहते। वो हिंदुत्ववादी चेहरे के रूप में लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

हिंदुत्व की आवाज बनकर उभर रही हैं भाजपा की उदित्ता त्यागी करंट क्राइम। उदित्ता त्यागी का एक बयान हाल ही में आया। बहादुर शाह जफर की पेंटिंग उन्हीं की संस्था ने बनाई थी और जब हिंदुवादी संगठनों ने इस पेंटिंग पर कालिख पोत दी तो उदित्ता त्यागी ने वीडियो साझा किया और बता दिया कि तब मेरी सोच और थी और अब मेरी सोच और हो गई है। वो हवन पूजन के साथ-साथ हिंदुत्व को लेकर मुखर नजर आती हैं। अब उनकी प्राथमिकता हिंदुत्व पहले है और भाजपा की राजनीति दूसरे नंबर पर है।

फेसबुक पर हिंदुत्व की मशाल को जलाए हुए हैं पूर्व मेयर अशु मर्मा करंट क्राइम। समय के साथ-साथ भाजपा के नेताओं ने राजनीति का अंदाज बदला है। अब वो उन मुद्दों पर खुल कर हैं जिन मुद्दों पर बोलने से पहले वो परहेज करते थे। पूर्व मेयर अशु मर्मा सावन के महीने में सभी से मंदिर जाने और जलाभिषेक की अपील कर रहे थे और अब वो अपनी पोस्ट के जरिए सीधा और स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि सियासी विचारधारा में उनकी लड़ाई किससे है। वो अपनी पोस्ट में चिकित्सा शिक्षा नहीं बल्कि एक वर्ग विशेष को लेकर आक्रामक होते दिखाई देते हैं। लेकिन यहां पर खास बात ये है कि उनका यह हिंदुत्व फेसबुक पर ही नजर आता है। वो मैदान में उतरकर अभी उतने क्रान्तिकारी नहीं हो रहे हैं।

मेयर सुनीता दयाल का भी अंदाज है केसरिया करंट क्राइम। सुनीता दयाल मेयर हैं और भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। वरिष्ठता के क्रम में वो यहां कई नेताओं से आगे हैं। यदि उनकी कार्यशैली को देखें तो भाषा शैली जनप्रतिनिधि वाले फ्रैम में हैं लेकिन जब वो मौके पर पहुंचती हैं तो यहां उनका संदेश देता चेहरा सामने आता है। कैला भट्टा पर जब मंदर से पर बुलडोजर चला तो सुनीता दयाल मौके पर मौजूद थी। ऐसे ही कई मामले हैं जब उन्होंने हिंदुत्व वाला संदेश दिया है।

भाजपा के ये चेहरे दे रहे हैं सबका साथ वाला संदेश करंट क्राइम। भाजपा की राजनीति की बात करें तो यहां अब विचारधाराओं और छवि का अलग ही क्रेज है। कई नेता खुद को सुपर हिंदुवादी छवि के साथ रख रहे हैं। गाजियाबाद की बात करें तो यहां कई जनप्रतिनिधि अभी सबका साथ सबका विकास की नीति पर हैं। उनका अपना एजेंडा कुछ भी हो सकता है लेकिन वो सार्वजनिक रूप से सबको साथ लेकर चलते हैं। इनमें पहना नाम लोकसभा सांसद अजुल गर्ग का है। वो दो बार शहर विधायक रहे हैं। सरकार में मंत्री रहे हैं। लोकसभा सांसद हैं लेकिन वो कभी ऐसे अलगाव इस्तेमाल नहीं करते कि उनकी छवि धार्मिक रूप से ज्यादा प्रबल दिखाई दे। यहां पर पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ अनिल अग्रवाल भी हिंदुत्व से ज्यादा मुद्दों की राजनीति पर फोकस करते हैं। उनकी भाषाशैली भी कभी कटोर नहीं होती और वो भी राजनीति के सम्यक रूप को साथ कर चलते हैं। विचारधारा की बात करें तो शहर विधायक संजीव शर्मा भी अपनी भाषा शैली और व्यवहार का अंदाज लेकर चलते हैं। वो कभी ऐसी बात नहीं कहते कि ऐसा प्रतीत हो कि वो हिंदुत्व विचारधारा को ज्यादा प्रमोट कर रहे हैं। इसी तरह मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी भी राजनीति के ऐसे फॉर्मेट में खुद को ढालकर चलते हैं जिसमें हर वर्ग सेट हो। जिसमें विकास की बात हो और सभी को साथ लेकर चलने की बात हो। एमएलसी दिनेश गोखल भी विधायक की बात करते हैं। जनहित के मुद्दों की बात करते हैं। विधानपरिषद में जनहित के मुद्दे उठाये भी हैं।

अब थानों में भी सुनी जाएगी प्रतिदिन फरियादियों की गुहार



रोजाना करनी है 10 से 2 बजे तक प्रभारियों को जनसुनवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद में अब थाना प्रभारियों को प्रतिदिन अपने थाने में सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक जनसुनवाई करनी होगी। इसका मकसद लोगों की समस्याओं पर त्वरित और अधिक कार्रवाई और उनकी सुनवाई करना बताया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ ने शनिवार से पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद के सभी थाना प्रभारियों को नियमित रूप से जनसुनवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था और इसका अनुपालन भी शनिवार से शुरू हो गया है। अलग-अलग थाना प्रभारियों ने सुबह 10 से 2

जो अधिकारी स्टेट फॉरवर्ड होता है वह ज्यादा लोकप्रिय होता है और जो जनप्रतिनिधि स्टेट फॉरवर्ड होता है, वह अलोकप्रिय होता है : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 1975-76 में गाजियाबाद में ज्योति स्वरूप की आरएसएस के विभाग प्रचारक थे। उन्होंने सभी ज्योति जी के नाम से जानते थे। उस समय विभाग बहुत बड़ा था। गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फर नगर सहारनपुर और बुलंदशहर मेरठ विभाग में आते थे। ज्योति जी का इतना विस्तृत कार्य क्षेत्र था। ज्योति जी इस पूरे क्षेत्र में मोटर साइकिल से घूमन करते थे। इनका बड़ा अध्ययन भी था। वे अनेक

ज्योति जी की एक बात जिसका उल्लेख करने के लिए मैंने ये घटना बताई, वह यह थी कि उन्होंने कहा कि अच्छा प्रशासक वह है, 'जो ना कह सके'

विद्वानों के कथनों का उल्लेख करके अपनी बात कहते थे। उन्होंने बहुत सी अंग्रेजी लेखकों की पुस्तकें भी पढ़ी थीं। मुझे उनका बड़ा सानिध्य और स्नेह मिला। आपात काल में कुछ संधि और जनसंघ के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करके मेरठ जेल में रखा गया था। ज्योति जी ऐसे गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने उनके गांव जाते थे। वे अक्सर जब गाजियाबाद के गिरफ्तार किसी कार्यकर्ता के घर जाते थे तो अपने साथ मुझे ले जाते थे। मोटर साइकिल पर उनके साथ कई कार्यकर्ताओं के घर जाने

इस बेचारे को क्यों दौड़ाया जाय। पहले ही अवसर पर ना कह देना उचित है। लेकिन जो काम के लिए आया है, वह ना सुनना ही नहीं चाहता है। वह ना सुनकर बहुत नाराज हो जाता था। मैंने ऐसे कई नेता देखे जो कभी ना कहते ही नहीं थे। वह हर बार कोशिश करते हैं कह कर टरका देते थे, वह ही हार थक कर बैठ जाता था लेकिन नेता जी कभी अपने मुंह से ना नहीं कहते थे। मेरा निजी अनुभव है कि लोगों को मेरी ना सुनकर जो नाराजगी मुझसे होती थी, उतनी नाराजगी उनसे नहीं दिखी जिनके घर दौड़ दौड़ कर थक कर बिना ना सुने घर बैठना पड़ा। एक बार मुझे एक अधिकारी ने कहा कि हम अधिकारी भी ना नहीं कहते हैं आप तो तो जनप्रतिनिधि हैं, आप क्यों ना कहते हो? मैंने बहुत से अधिकारियों को भी देखा है जो काम भी नहीं करते हैं और ना भी नहीं करते हैं। हार थक कर व्यक्ति घर बैठ जाता है। बस अंतर इतना है कि अधिकारी से नाराजगी व्यक्ति नहीं कर सकता है और जनप्रतिनिधि से नाराजगी व्यक्ति भी करता है और जब जनप्रतिनिधि पुनः वोट मांगने आता है तो भी उसके पास अपनी सारी भंडास निकालने का बेहतरीन अवसर होता है। वैसे जो अधिकारी स्टेट फॉरवर्ड होता है वह ज्यादा लोकप्रिय होता है और जो जनप्रतिनिधि स्टेट फॉरवर्ड होता है, वह अलोकप्रिय होता है।

नई पहल : जल्द थानों में जन प्रतिनिधियों को किया जाएगा आमंत्रित

कहीं पिलाई जाएगी चाय तो कहीं होगा जलपान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद सिस्टम में अब खाकी और खादी वालों के बीच सम्मान और बुलावे वाला कलचर शुरू हो रहा है। पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद के सूत्रों से जानकारी मिली है कि कमिश्नरेंट के कई थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में रहने वाले जनप्रतिनिधियों को संप्रभात व्यक्तियों के तौर पर मीटिंग के लिए आमंत्रित किया है। इस मीटिंग का मतलब पुलिस के साथ संवाद बढ़ाना और जनप्रतिनिधियों से नजदीकी बढ़ाना बताया जा रहा है। सूत्र बता रहे हैं कि रविवार से इस अभियान की पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद के सिटी जोन में शुरुआत हो रही है। बताया जा रहा है बीते दिनों पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया था कि वह अपने इलाके के जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर व्यवहार करें और उनके साथ संवाद स्थापित करने और चाय पिलाने जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किया जाए।

सिटी के थानों में आज हो सकती है इस अभियान की शुरुआत



मंडल वालों से लेकर संगठन वालों को भी मिलेगा आमंत्रण

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद के सूत्रों से जानकारी मिली है कि थानों में जनप्रतिनिधियों के साथ ही संप्रभात व्यक्तियों के तौर पर मंडल अध्यक्ष और संगठन से जुड़े पदाधिकारियों को भी उनके थानाक्षेत्र में चाय के लिए आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री, विधायकों से लेकर महापौर, भाजपा महानगर अध्यक्ष से लेकर विपक्ष के प्रमुख नेताओं को भी इस श्रृंखला में जोड़ा जाएगा।

दमकलकर्मियों ने बचाई 40 फीट गहरे शापट में गिरी बिल्ली की जान

सोशल मीडिया पर मिल रही है सराहना

गाजियाबाद, करंट क्राइम : वैशाली सेक्टर-पांच में रहने वाली एक युवती की पालतू बिल्ली सोसाइटी में बनी शापट में गिर गई और वह 40 फीट गहरे स्थान में फंस गई। पहले तो स्थानीय लोगों ने और बिल्ली की मालकिन ने काफी प्रयास किया, जब वह नहीं निकली तो स्थानीय पुलिस और दमकल कर्मियों को इसकी सूचना दी गई। जिसके बाद मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने अग्निशमनकर्मियों को मौके पर भेजा और लंबी सीढ़ी और रस्सी की मदद से बिल्ली को गहरे शापट से बाहर निकाला और बिल्ली की मालकिन के सुपुर्द किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर दमकल पुलिसकर्मियों की तारीफ शुरू हो गई।

लोगों के साथ जीवों को भी बचा रहे हैं दमकलकर्मों करंट क्राइम : मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया है कि इससे पहले भी दमकलकर्मियों द्वारा गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेंट में जीव जंतुओं की जान बचाई गई है। उन्होंने बताया है कि कुछ दिन पहले वैशाली और कौशांबी इलाके में एक गाय नाले में गिर गई थी, जिसे रेस्क्यू कर बाहर निकल गया था। तो वही कुछ दिन पहले लोनी में भी एक कुत्ता गहरे गड्ढे में गिर गया था, उसे बचाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि दमकल विभाग लोगों के साथ ही जीव जंतुओं के जीवन को बचाने का काम कर रहा है।

पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ की सराहनीय पहल इधर दिया पुलिस कमिश्नर ने एफआईआर की कॉपी घर पहुंचने का फरमान, उधर कॉपी लेकर पुलिसकर्मी पहुंचने लगे पीड़ितों के मकान

नए कमिश्नर के आने के बाद पुलिसिंग व्यवस्थाओं में परिवर्तन साफ नजर आने लगा है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद सिस्टम में नए कमिश्नर के आने के बाद पुलिसिंग और व्यवस्थाओं में परिवर्तन साफ नजर आने लगा है। शुक्रवार की रात पुलिस



एफआईआर की कॉपी को घर पहुंचने का काम करेंगे। शुक्रवार को दिए गए इस आदेश का अमर शनिवार से ही नजर आने लगा है। बताया जा रहा है कि अलग-अलग थानाक्षेत्रों में थानों पर दर्ज हुए मुकदमों की कॉपी घर पहुंचने का

अक्सर शिकायतें आती हैं कि वादी को मुकदमे की कॉपी नहीं मिली है। लोग एफआईआर की कॉपी प्राप्त करने के लिए चक्कर लगाते हैं। इसी वजह से इस प्रक्रिया को शुरू किया गया है ताकि लोगों को परेशान ना होना पड़े। जे रविंद्र गौड़, पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद

वादियों के घर पहुंचे पुलिसकर्मी और डोर बेल बजाकर दी एफआईआर की कॉपी करंट क्राइम : शनिवार को अलग-अलग थानाक्षेत्रों में वीडियों के घर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने पहले उसकी डोर बेल बजाई और फिर वीडियों को उनके दर्ज हुए मुकदमे की एफआईआर की कॉपी प्रदान करने का काम किया गया। लोगों के लिए शनिवार को यह सीन और काम थोड़ा अलग नजर आया लेकिन पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद के अधिकारियों ने दावा किया है कि अब प्रत्येक थानाक्षेत्र में प्रतिदिन इसी प्रकार से दर्ज होने वाले मुकदमों में वीडियों को इसकी कॉपी पहुंचने का काम किया जाएगा।

20

04

2025

करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

गजेन्द्र वर्मा

गायक

नीलम श्रीवास्तव

अशोक कसाना

अमित बघेल

गौरव त्यागी

क्षितिज शर्मा

राजेश वर्मा

प्रवीण शर्मा

दया राम

वीरेंद्र

नितिन त्यागी

भूपेंद्र भारद्वाज

अमित त्यागी

रोबिन सिंह

राहुल सिंह

डीएस मलिक

सोनू त्यागी

रिंकू बंसल

रोहित गर्ग

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।

Email : currentcrimenews@gmail.com

गांव कादराबाद निवासी यशपाल
आर्य जब अपने मालिक की इनाम
साथ से गोविंदपुरी से कादराबाद जा
रहे थे, इस बीच उनकी कार को
ओवरटेक कर एसई कार सवार पांच
लोगों ने रोक लिया और रोडरेंज की
घटना का आरोप लगाते हुये यशपाल
आर्य के साथ मारपीट कर दी। यशपाल
ही गाडी में तोड़फोड़ कर डाली और
साथ से मोरने की धमकी देते हुये
फरार हो गये। पीड़ित जनता का
आपबीती सुनाई। एसीपी जाह्नूरकाश
राय ने बताया कि वाहन संख्या के
आधार पर आरोपियों की धरपकड़
के प्रयास किये जा रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकार व कवि राज कौशिक के पुत्र ऋषि का सगाई समारोह उदिति अरोड़ा के साथ सम्पन्न



गाजियाबाद, करंट क्राइम। वरिष्ठ पत्रकार व कवि राज कौशिक के सुपुत्र ऋषि कौशिक का सगाई समारोह फरीदाबाद निवासी सुभाष अरोड़ा की पुत्री उदिति के साथ धूमधाम से सम्पन्न हुआ। स्वीस होटल में आयोजित सगाई समारोह में समाज के गणमान्य लोगों ने पहुंच कर आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर परिवार के विनोद शर्मा, रवि प्रकाश शर्मा, हरिश शर्मा, अभिषेक कौशिक ने वरिष्ठ पत्रकार तथा कवि राज कौशिक के साथ सभी अतिथियों का स्वागत किया।

वेव सिटी में शुरू हुआ हेल्थ केयर क्लिनिक



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वेव सिटी के सेक्टर 5 ग्रीन वुड एंक्लेव में हेल्थ केयर क्लिनिक शुरू किया गया है। इसका उद्घाटन डीसीपी सिटी जॉन राजेश कुमार और आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अनिल तोमर ने किया। इस क्लिनिक में सर्जरी और गायनी का विशेष प्रबंध है। इसके उद्घाटन अवसर पर क्लिनिक के संचालक डॉक्टर प्रखर गर्ग, डॉक्टर नीलम गुप्ता गर्ग, डॉक्टर नलिनी गर्ग, पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी के के त्यागी, प्रसून मालवीय, कुमार वैभव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। डॉक्टर पंकज गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया।

अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली नाले में गिरने से एक की मौत, एक घायल

मोदीनगर, करंट क्राइम। एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली बिजली के खंभे से टकराकर नाले में जा गिरी, हादसे में एक किसान मौत व ट्रैक्टर पर सवार एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। घायल को नीजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हापुड़ मार्ग पर शनिवार तड़के भोजपुर निवासी किसान शिवम दो ट्राली के साथ मोदीनगर स्थित मोदी शुगर मिल में गन्ना डालकर वापस लौट रहे थे। खंजरपुर गेट के पास सामने से आ रहे

एक भारी वाहन से बचने की कोशिश में उनका ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। ट्रैक्टर पहले बिजली के खंभे से टकराया और फिर नाले में जा गिरा।

हादसे में किसान शिवम की मौत पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच शुरू कर दी है।



सामाजिक संस्था मानवता की ओर एक कदम के तत्वावधान में 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' के समर्थन में विशाल पदयात्रा का आयोजन

यह मुद्दा किसी दल विशेष का नहीं, बल्कि भारत के प्रत्येक नागरिक का है : मयंक गोयल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सामाजिक संस्था 'मानवता की ओर एक कदम' के तत्वावधान में आज दिनांक 19 अप्रैल 2025, दिन शनिवार को 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' के समर्थन में एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा शाम 4 बजे शहीद भगत सिंह चंदाघर से प्रारंभ होकर चौपाल से होते हुए दुर्गा भाभी चौक से निकलकर शहीद पथ नवयुग मार्केट तक संपन्न हुई। पदयात्रा समापन होने से पूर्व वक्ताओं ने अपने संबोधन के माध्यम से एक राष्ट्र एक चुनाव की अपील संदेश दिया।

इस अवसर पर सामाजिक नागरिक के रूप में मुख्य वक्ता मयंक गोयल ने कहा 'यह मुद्दा किसी दल विशेष का नहीं, बल्कि भारत के प्रत्येक नागरिक का है। अलग-अलग चुनावों से न केवल समय और धन की बर्बादी होती है, बल्कि विकास कार्य भी प्रभावित होते हैं। हम सभी एकजुट होकर केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि इस नीति पर शीघ्र



कार्यान्वयन हो।

पदयात्रा में गाजियाबाद के प्रमुख चेहरों सहित अनेक सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और एनजीओ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शहर के मुख्य बाजार से पदयात्रा गुजरने के दौरान बाजार में व्यापारियों एवं नागरिकों ने मयंक गोयल और सरदार एसपी सिंह सहित सभी पदयात्रा में शामिल लोगों का स्वागत अभिनंदन करते हुए अपना भरपूर समर्थन दिया। मयंक गोयल अध्यक्ष के रूप में शहर के मुख्य बाजार में प्रथम आगमन पर व्यापारियों ने आतिशबाजी कर पुष्पवर्षा

से शानदार स्वागत अभिनंदन किया।

वन नेशन वन इलेक्शन के समर्थन में पदयात्रा के दौरान मयंक गोयल, सरदार एसपी सिंह, सुरेंद्र नागर, पार्षद राजीव शर्मा, राजीव अग्रवाल, प्रदीप चौधरी, अशोक भारतीय, विनीत शर्मा, प्रीति चंद्रा, साक्षी नारंग, नीरज त्यागी, शैली सेठी, सिमरन रंधावा, राम त्यागी, पुष्पेंद्र गुप्ता, पूर्व पार्षद अरुण जैन, अरुण मित्तल, विनय सिंघल, विनीत शर्मा युवा, नगेन्द्र चौहान, आलोक त्यागी, बबीता त्यागी, विनीता पाल, दीपक त्यागी सुमित शर्मा राहुल त्यागी सुनील शर्मा लामिश पांडे

सुनहरे भविष्य की ओर एक सार्थक प्रयास : सरदार एसपी सिंह

करंट क्राइम। इस पदयात्रा का नेतृत्व संस्था के समन्वयक सरदार एसपी सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने कहा, यह सिर्फ एक चुनाव प्रणाली नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक की सहूलियत और राष्ट्र की आर्थिक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' से न केवल संसाधनों की बचत होगी, बल्कि शासन की निरंतरता भी बनी रहेगी। यह देश के सुनहरे भविष्य की ओर एक सार्थक प्रयास है।

अनुज त्यागी, संजीव जांगड़, हरेंद्र चौधरी, विक्रम सैनी, अजय चौधरी, संजय शर्मा, तनुज गंधी, उदयन गर्ग, कृष्ण त्यागी, राजीव डामर, पंकज लड्डू जितेंद्र महाना, दिव्याश भटनागर आदि शामिल रहे।



गाजियाबाद, करंट क्राइम। भूषण पंडित ने अपनी बिटिया गुंजन और दामाद मनीष को उनकी मैरिज एनिवर्सरी की बधाई देते हुए उन्हें सफल सुखद खुशहाल वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

दैनिक करंट क्राइम

पोस्ट ऑफ द डे

Shabana Zaidi

13h

Got a chance to become moot court Judge

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कुछ लोग अपने प्रोफेशन के प्रति भी पूरा पैशन रखते हैं। अधिवक्ता शबाना जैदी के लिए वकालत केवल एक प्रोफेशन नहीं है बल्कि उनके लिए ये पैशन है। जब मूट कोर्ट में उन्हें जज बनकर सुकदमा सुनना है तो अपने इस अंदाज को भी उन्होंने फेसबुक पर साझा किया। प्रोफेशन, पैशन और इमोशन का संदेश देती यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।